Raga of the Month June 2022 Raga GouriShankar

राग गौरीशंकर

कल्याण, भैरव, सारंग, मल्हार, कानडा, तोड़ी, बहार आदि रागोंके मिश्रणसे बने रागों से हम परिचित हैं। उसी तरह राग शंकरा का मूल स्वरूप रखते हुए उससे बने हुए अनेक जोड़ राग हैं। मगर राग शंकराके ये अलग जोड़ राग-प्रकार मैफिलोंमे क्वचितहि गाये जाते हैं। अगले कुछ भागोंमें हम शंकरा के ऐसे जोड़-राग सुनेंगे। अप्रैल महिनेमे हमने राग शंकराबिहाग/ शंकराबरन तथा मई महिनेमे हमने राग शंकराकरणका परिचय कर लिया और उन रागोंके गायनके नमुने सुने। आज हम राग गौरीशंकर सुनेंगे।

यह राग आचार्य रातंजनकरजीकी निर्मिति है। इस रागमे राग शंकराको गौरीका जोड़ दिया है।

राग शंकराके अन्य जोड़ रागोंका निर्माण बुजुर्ग गायकोंने किया है- वे हैं :

शंकराहरण- ग्वालियर घराना परंपरा - शंकरा और हमीरका जोड़;

शिवतिलक - (पंडित गोविन्द नारायण नातू निर्मित)- शंकरा और तिलककामोदका जोड़;

शंकरानन्द- (पंडित छोटा गन्धर्व निर्मित)- शंकरा और नन्दका जोड़;

बसंतीशंकरा - (पंडित छोटा गन्धर्व निर्मित)- शंकरा और बसंतका जोड़;, इत्यादि।

जयतशंकरा - स्वर्गीय गायनाचार्य पं रामकृष्ण बुवा वझे की किताब संगीत-कला-प्रकाशमें इस रागका वर्णन मिलता है- शंकरा और जैत कल्याणका जोड़।

राग गौरीशंकरकी विशेष स्वर संगतियाँ इस प्रकार है।

प ग, रे सा, रे ,सा नि, सा ग, प ग प, नि ध नि प , ग प, ध प ग, रे सा, रे नि, सा ग, प ग प ।

प ग, प प सां, नि ध नि प, ध प ग, रे सा, रे नि.

राग गौरीशंकर के आज के ऑडियो में हम आचार्य रातंजनकरने रची हुई दो बंदिशे सुनेंगे। पहली विलम्बित बंदिश " कौन मधमातो ठाडो है " और दूसरी द्रुत बंदिश " सरस रस रास रच्यो कान्हर " । दोनो बंदिशे पंडित के जी गिंडेजीने गायी हुई है।

आभार-अजय गिंडे ; पंडित यशवंत महाले;

०१-०६ -२०२२

Link to the list of 120+ Raga of the month articles

@ Archive of ROTM Articles - http://oceanofragas.com/Raga_Of_Month_Alphabetically.aspx